हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शुक्रवार 22 मई 2026

11 एफपीओ के उत्पादों को बाजार देने के लिए हर...

12 नागरिक अस्पताल में 'विजिटर्स पॉलिसी' लागू...

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था एक व्यक्ति का आत्महत्या से पहले का वीडियो

आप से एमएलए का चुनाव लड़ चुके रविंद्र मटरू समेत 6 के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

रेवाड़ी जिले के थाना खोल पुलिस ने मृतक के बेटे की लिखित शिकायत एवं सबूतों के आधार पर दर्ज किया गया है मुकदमा, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आम आदमी पार्टी की टिकट पर नारनौल विधानसभा से चुनाव लड़ चुके रविंद्र सिंह उर्फ मटरू समेत आधा दर्जन के खिलाफ खोल (जिला रेवाड़ी) पुलिस ने एक व्यक्ति को दुष्प्रेरित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में विभिन्न संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। कुछ दिन पहले इस मामले से जुड़ा एक वीडियो वॉयरल हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति बाबूजी कहकर विभिन्न आरोप लगा रहा था और ज़हर खाकर आत्महत्या कर ली थी। उसी मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब केस दर्ज किया है। खोल पुलिस को दी लिखित शिकायत में आयुष चोटिया वासी शिव शंकर सदन, पालवास रोड वार्ड नं 17 सीकर (राजस्थान) ने आरोप लगाते हुए बताया कि रविंद्र सिंह मटरू एवं हरपाल चौधरी, जैलीसिंह सरपंच, परमीत सिंह, सांवरमल मीणा, अशोक मीणा एवं अन्य द्वारा उसके पिता को दुष्प्रेरित कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया।

उन्होंने बताया कि उसके पिता हरीश कुमार ने श्री बाला जी मिनरल्स, दूधवा, तहसील खेतड़ी जिला झुन्झुनूं राज. में एक क्रेशर लगा रखा था। उक्त क्रेशर में 50 प्रतिशत हिस्सा उसके पिता हरीश कुमार शर्मा, 25 प्रतिशत हिस्सा रविंद्र सिंह मटरू एवं 25 प्रतिशत हिस्सा रविंद्र मटरू के बेटे रौनक का था। विगत 12 महीने से काम ठप होने के कारण उसके पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई एवं मजबूरीवश प्रार्थी के पिता ने श्री बाला जी मिनरल्स नाम की कंकरीट फैक्ट्री को रविंद्र सिंह मटरू की सहमति से विवेक सुहाग को क्रेशर बेचने हेतु विवेक सुहाग के साथ तय किया। इनके बाद संभवतः किसी के भड़काने या अन्य कारणों से रविंद्र मटरू नाराज हो गए और उन्होंने उसके पिता के साथ गाली-गलौच किया तथा उसके पिता व परिवार को बर्बाद करने की धमकी दी। इस पर उसके पिता ने मटरू से कहा कि अगर उसने क्रेशर को सस्ते में बेच दिया है तो इस क्रेशर को वह रख लें। विवेक सुहाग ने भी उसके पिता से कहा कि अगर उनका पार्टनर रविंद्र मटरू इस सौदे से राजी नहीं है तो पैसे वापस दे दीजिए। इस पर मटरू नहीं माने तथा कहा कि न तो वह क्रेशर लेंगे और न ही बेचने देंगे। उल्टे तुम्हारे परिवार को बर्बाद कर देंगे।

हरपाल सिंह चौधर से कर्जा लेना पड़ा

उपरोक्त स्थिति से पूर्व क्रेशर का संचालन एवं भुगतान करने के लिए पूर्व में हरपाल सिंह चौधर से कर्जा लेना पड़ा। 20 लाख रुपये 15 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से यह रुपये उसके पिता हरीश शर्मा ने कर्जा लिया तथा पिता हरीश ने 1.86 करोड़ रुपये अदा कर दिए एवं हरपाल सिंह को 12 खाली चेक हस्ताक्षर करके दे दिए। दो चेक प्रार्थी के हस्ताक्षरित एवं चार स्टांप दिए थे, जिनके दुरुपयोग की पूरी आशंका है। उसके पिता ने अपनी पत्नी के गहने एवं स्वयं अपनी सोने की चेन व अंगूठी आदि हरपाल चौधरी को जमानत के तौर पर दिए। फिर भी उसके द्वारा दिए गए 40 लाख रुपये उसने यथावत रख लिए। उन्होंने बताया कि हरपाल सिंह चौधरी ने 1.86 करोड़ रुपये अदा करने के बाद भी न तो चेक और स्टांप लौटाए और न ही गहने वापस लौटाए। इसी प्रकार जैलीसिंह सरपंच से उसके पिता ने 20 लाख रुपये 30 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज के हिसाब से लिए थे। इसके बाद 82 लाख रुपये अदा कर दिए, लेकिन जैलीसिंह सरपंच ने स्टांप पर उक्त क्रेशर में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी लिखवा रखी है और ये दस्तावेज अपने पास रखे हुए हैं। इसी प्रकार परमीत सिंह वासी गजरोजा यूपी, जो उसके पिता का मित्र था, ने उसके पिता हरीश के मार्फत कादियान ट्रांसपोर्ट से रोड़ी कंकरीट माल डलवा लिया था, जिसका परमीत सिंह ने भुगतान नहीं किया। उसके पिता हरीश ने स्कोर्पियो गाड़ी मॉडल 2025 को अपने मित्र परमीत सिंह के भतीजे कुशल चौधरी के नाम से क्रय की गई, जिसका डाउन पेमेंट एवं फाइनेंस किस्तों का भुगतान प्रार्थी व उसके पिता ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि परमीत सिंहने कुशल की तनख्वाह के 18 लाख रुपये काटकर मात्र दो लाख का भुगतान कर गाड़ी अपने पास रख ली।

पुलिस ने जांच शुरू की

सुसाइड नोट एवं अंतिम समय में हरीश शर्मा द्वारा बनाए गए वीडियो अनुसार उपरोक्त वर्णित सभी लोगों से दुखी होकर 12 मई को उसके पिता ने आत्महत्या कर ली। इसी प्रकार सांवरमल मीणा एवं अशोक मीणा द्वारा हरीश शर्मा को परेशान करने के संबंध में बनाई गई वीडियो एवं कॉल रिकार्डिंग पुलिस को दी गई है। मृतक हरीश शर्मा के बेटे आयुष द्वारा उक्त सभी छह आरोपितों रविंद्र सिंह मटरू, हरपाल चौधरी, जैलीसिंह सरपंच, परमीत सिंह, सांवरमल मीणा एवं अशोक मीणा के खिलाफ दी गई लिखित शिकायत एवं सबूतों के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

बिजली बिल संबंधी शिविर आज

नारनौल। उपभोक्ताओं की बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष सुनवाई शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया जाएगा। यह शिविर बिजली बोर्ड के मंडल कार्यालय में सुबह 10 बजे से दोपहर 11 बजे तक चलेगा। जिसमें शहरी व ग्रामीण उपभोक्ता अपनी बिजली बिल संबंधी समस्याएं दर्ज करवा सकेंगे।

अपहरण मामले में 3 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस ने थाना अटेली क्षेत्र में एक युवक का अपहरण कर उसके साथ गंभीर रूप से मारपीट करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपितों की पहचान राजपाल, अंकित व मनोज निवासी मोहम्मदपुर अटेली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आपस में हुई कहासुनी को लेकर आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया था।

शिविर में 63 नागरिकों ने रखी समस्याएं

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में वीरवार को 63 नागरिकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। इस मौके पर नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने शिकायतें सुनी। शिविर में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, बिजली, पानी, पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई। इस मौके पर डीएसपी भारत भूषण, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर 26 मई को

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में 26 मई को निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक लगने वाले शिविर की अध्यक्षता डॉ. शशिबाला करेगी। इस शिविर में बीपी, शुगर की जांच फ्री की जाएगी। शिविर में डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. भूपेन्द्र कुमार, डॉ. विनय कुमार, विजय कुमार, डॉ. सोनिया चौधरी, भूपेन्द्र कुमार अपनी सेवाएं देंगे। सुधीर यादव व सुरेन्द्र कुमार योग करवाएंगे।

17 वर्षीय किशोर अचानक लापता

महेंद्रगढ़। शहर की कॉलोनी के रहने वाला 17 वर्षीय किशोर 20 मई की शाम से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद थाना महेंद्रगढ़ में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों के अनुसार किशोर बुधवार की शाम करीब पांच बजे घर से बाहर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। पिता ब्रिजेश ने किसी अनहोनी घटना की आशंका जताते हुए पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पड़ोसी बोले.. शराब पीने का आदी था, रोजाना करता था मां से झगड़ा

बेटे ने मां की निर्मम हत्या कर खुद भी कुएं में लगाई छंलाग

पीजीआई में इलाज के दौरान बेटे की भी मौत

पुलिस मामले की कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला कायमपुरा में एक व्यक्ति ने अपनी बुजुर्ग मां की हत्या करने के बाद कुएं में छलांग लगाकर खुद भी सुसाइड कर लिया। वीरवार सुबह उसने पहले अपनी मां को डंडों से बेरहमी से पीटा और फिर उसका शव आंगन में छोड़कर सब्जी मंडी चला गया। वहां उसने करीब 50 फुट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिटी थाना पुलिस ने व्यक्ति को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पड़ोसियों के मुताबिक, वह व्यक्ति शराब पीने का आदी था और रोजाना अपनी मां से झगड़ा करता था। आशंका है कि रात को भी उसका मां से झगड़ा हुआ होगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर के मोहल्ला कायमपुरा निवासी सुनील कुमार (45) अपनी मां ब्रह्मादेवी (70) के साथ रहता था। सुनील के पिता का कुछ समय पहले निधन हो गया था। सुनील कभी-कभार हलवाइयों के साथ वेटर या हेल्पर के रूप में काम करने जाता था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर शराब पीकर घर आता था और अपनी मां से झगड़ा करता था। बुधवार-वीरवार की रात को भी सुनील का अपनी मां के साथ झगड़ा हुआ। उसने डंडों से पीट-पीटकर अपनी मां को मौत के घाट उतार दिया और शव को आंगन में ही पड़ा छोड़कर घर से निकल गया। इसके बाद वह सब्जी मंडी के पास एक मंदिर के नजदीक 50 फुट गहरे कुएं में कूद गया। सुबह करीब साढ़े चार-पांच बजे जब सब्जी मंडी में आए लोगों ने उसे कुएं में कूदते हुए देखा, तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने सुबह करीब सात बजे सुनील को कुएं से बाहर निकाला। कुएं में कूदने पर लगी चोटों के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। नागरिक अस्पताल के डाक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए उसे रोहतक पीजीआई के लिए रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

महेंद्रगढ़। आंगन में पड़ा मृतका का शव व नागरिक अस्पताल में इलाज करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सुबह पता चला मां की हत्या का

इसी बीच, मोहल्ला कायमपुरा में दूसरे मकान में रह रही ब्रह्मादेवी की जेठानी सुबह उसके घर पहुंची, तो उसने ब्रह्मादेवी का शव आंगन में पड़ा हुआ देखा। जेठानी ने परिवार के अन्य लोगों को घटना की सूचना दी और पुलिस को भी बुलाया गया। इसके बाद पता चला कि सुनील ने अपनी मां की हत्या कर कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली थी।

यह बोले पुलिस प्रवक्ता

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि वीरवार सुबह डायल 112 के माध्यम से जानकारी मिली थी कि महेंद्रगढ़ शहर के अंदर एक कुएं में एक आदमी कूद चुका है और शायद आत्महत्या करने की कोशिश की है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उस आदमी को बाहर निकाला। जब उसके परिवार की छानबीन की गई कि वह कहां से आया है, तो पुलिस उसके घर की तरफ गई। घर पहुंचने पर पुलिस को पता लगा कि जो आदमी कुएं में कूदा था, उसकी माता वहां मृत अवस्था में मिलीं और सिर पर चोट थी। पुलिस ने जांच-पड़ताल की तो यह निकलकर आया कि इस व्यक्ति ने अपनी माता की हत्या कर दी है। यह पता लगा है कि अक्सर ये दोनों ही घर पर रहते थे और इनके बीच झगड़े होते रहते थे। युवक शराब पीने का आदी था। अभी तक की जांच में यहीं निकल कर आया है और फिलहाल दोनों की मृत्यु हो चुकी है।

महेंद्रगढ़। रोड पर रखी छतरी उठाकर लाते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नपा ने फिर चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, सामान जब्त

कई दिनों से बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की मिल रही थी शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में लगातार बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने एकबार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। वीरवार को दोपहर नगर पालिका की टीम अपने दलबल के साथ आसपास के व्यस्त इलाकों में पहुंची, जहां सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। इस दौरान कई दुकानदारों और ठेला संचालकों का सामान भी जब्त किया गया।

नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थी। दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर सामान रखकर सड़क घेर लेने तथा ठेले और फड़ लगाने से आम लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हो रहा था, जिसके चलते यह अभियान चलाया गया। नगर पालिका का यह अभियान नगर पालिका कार्यालय से शुरू होकर शंकर मार्केट, बालाजी चौक, सीएसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क, राव तुलाराम चौक, आईटीआई रोड, आंबेडकर चौक होते हुए कार्यालय में समाप्त हुआ।

अभियान के दौरान टीम ने सड़क किनारे बनाए गए अस्थायी शेड, टीन शेड और अवैध ढांचे हटाए गए। वहीं सड़क पर रखे सामान को भी हटाकर जब्त किया गया। नगर पालिका कर्मचारियों ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया और प्रशासन से मोहलत देने की मांग की, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पहले भी कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। इसके बावजूद नियमों का पालन नहीं किया गया, इसलिए मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी।

नियमित रूप से अभियान चलाने की मांग

अभियान के चलते बाजार क्षेत्र में कुछ समय तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि बाद में यातायात सामान्य हो गया और लोगों ने सड़कें साफ होने पर राहत महसूस की। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाने की मांग की, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था और साफ-सफाई बेहतर बनी रहे। इस मौके पर दरोगा राजेंद्र, दरोगा रिंकू उर्फ सुमित सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहें।

नारनौल-रेवाड़ी हाईवे 11 पर हादसा, सब्जी विक्रेता की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

नारनौल-रेवाड़ी रोड नेशनल हाईवे 11 पर बाछौद और सराय बहादुर के बीच नहर के पुल पर वीरवार सुबह करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया।

गांव तिगरा निवासी करीब 54 वर्षीय जयसिंह पुत्र मातादीन सुबह अपने गांव से ई-रिक्शा लेकर नारनौल मंडी सब्जी खरीदने के लिए जा रहा था। वह रोजाना की तरह अपने काम के लिए निकला था, लेकिन उसे क्या पता था कि यह सफर उसकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। जैसे ही वह बाछौद और सराय बहादुर के बीच नहर के पुल पर पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जयसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक जयसिंह अपने परिवार का पालन-पोषण सब्जी बेचकर करता था उसके परिवार में दो पुत्र हैं। जयसिंह की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

मंडी अटेली। दुर्घटना के बाद नेशनल हाईवे 11 पर पड़ी ई-रिक्शा व (इनसेट में) मृतक जयसिंह।

बाघोत में पानी का गहराया संकट

कनीना। गांव बाघोत में पीने के पानी की समस्या को लेकर वीरवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भीषण गर्मी के बीच अधिक आबादी वाले इस गांव में पिछले समय से नहर का पानी नहीं आया है, जिससे जल घर के तालाब सूखे पड़े हैं और पाइप लाइन ठप है। ग्रामीणों के साथ पशु भी पानी को मोहताज हैं। अधिकारियों के झूठे आश्वासनों से तंग आकर सरपंच राजेंद्र सिंह के आह्वान पर सैकड़ों ग्रामीण जल घर पर एकत्रित हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीडीपीओ राजेश जांगू, एसएचओ देवेंद्र सिंह, पब्लिक हेल्थ एसडीओ राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को एक सप्ताह में समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर महावीर पहलवान, ब्लॉक समिति सदस्य महिपाल नंबरदार, पूर्व सरपंच हवासिंह, विनोद, सतवीर, धर्मपाल चौहान, राजबीर, रवि कुमार, रामनारायण, रामचंद्र, फूलसिंह, सुनील आदि मौजूद थे।

दो करोड़ 26 लाख रुपये मंजूर

दक्षिण हरियाणा में नहरों से जुड़ेंगे कई गांवों के तालाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के विशेष प्रयासों से दक्षिण हरियाणा के कई गांवों को बड़ी सौगात मिली है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने क्षेत्र के गांवों के तालाबों को नहरों से जोड़ने और उनकी जल भराव क्षमता को बढ़ाने के लिए दो करोड़ 26 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक स्तर पर ये कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके तहत रामबास गांव के तालाब को रामबास डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ने और उसकी क्षमता बढ़ाने पर 30.57 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि कलवाड़ी गांव के बाबा समसका वाला तालाब को मोहम्मदपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ने के लिए 40.31 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। इसी प्रकारए अटेली गांव के तालाब को मोहम्मदपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़कर सिंचाई सुविधाएं बेहतर करने के लिए 28.49 लाख रुपये और दुलोठ जाट गांव के तालाब को इसी डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ने के लिए 8.03 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त बनीवाला गांव के तालाब को बोहका डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ने के कार्य पर 60.48 लाख रुपये खर्च होंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश सरकार जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखती है। उन्होंने बताया कि गांवों के तालाबों को नहरों से जोड़ने की इस योजना के दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव ने डिजिटल कृषि को लेकर की वीसी

अब डिजिटल मैपिंग से जुड़ेगी खाद वितरण प्रणाली, डिमांड व सप्लाई में नहीं रहेगा अंतर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

किसानों को समय पर व पारदर्शी तरीके से रियायती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। अब खाद की पूरी वितरण प्रणाली को आधुनिक डिजिटल मैपिंग से जोड़ा जा रहा है। इससे डिमांड और खपत का रियल टाइम डाटा मिल सकेगा, ताकि किसानों को खाद लेने में कोई परेशानी ना हो। वीरवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव (डिजिटल कृषि) डॉ. प्रमोद कुमार मेहरदा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक हुई। नेशनल फ्रेमवर्क ऑन द सेल ऑफ सब्सिडाइज्ड फर्टिलाइजर्स (रियायती उर्वरकों की बिक्री पर राष्ट्रीय ढांचा) के देशव्यापी क्रियान्वयन को लेकर हुई इस समीक्षा बैठक में उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने एग्री स्टैक के बारे में रिपोर्ट दी।

नारनौल। वीडियो कांफ्रेंस में मौजूद डीसी अनुपमा अंजलि। फोटो : हरिभूमि

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद डीसी ने बताया कि जिले में इस योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने बताया कि खाद की बिक्री को डिजिटल और सुव्यवस्थित करने के लिए राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा है कि तकनीक के जरिए खाद के वितरण को पूरी तरह से पारदर्शी बनाया जाए, ताकि वास्तविक लाभार्थियों यानी किसानों तक बिना किसी देरी के सीधे लाभ पहुंच सके। उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब खाद की पूरी वितरण प्रणाली को आधुनिक डिजिटल मैपिंग से जोड़ा जा रहा है। इससे न केवल जमाखोरी और कालाबाजारी पर पूरी तरह अंकुश लगेगा, बल्कि मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को भी रियल टाइम डेटा के जरिए खत्म किया जा सकेगा।

भूमि के रिकॉर्ड को फर्टिलाइजर कोटे से किया जाएगा लिंक

उपायुक्त ने बताया कि आने वाले समय में इस फ्रेमवर्क के तहत किसानों की भूमि के रिकॉर्ड (लैंड रिकॉर्ड्स) को उनके फर्टिलाइजर कोटे से लिंक किया जाएगा। इसका यह फायदा होगा कि किसान अपनी जमीन की जरूरत और सॉयल हेल्थ कार्ड (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) के आधार पर ही सटीक मात्रा में सब्सिडी वाला खाद खरीद सकेंगे। इससे न केवल किसानों की लागत कम होगी, बल्कि खेतों में रसायनों के असंतुलित इस्तेमाल पर भी रोक लगेगी। इससे जमीन की उपजाऊ क्षमता लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी। इस मौके पर एडीसी तरुण कुमार पावरिया के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आइसक्रीम तो तुम बच्चों को खूब पसंद आती है। इस भीषण गर्मी में अलग-अलग फ्लेवर की ठंडी-ठंडी यमी आइसक्रीम मिल जाए तो क्या कहने! आज हम तुम्हें दुनिया की कुछ फेमस आइसक्रीम्स के बारे में बता रहे हैं।

अलग शेप्स-अनूठे फ्लेवर्स वाली यमी आइसक्रीम

रोचक

शिखर चंद जैन

बच्चो, दुनिया भर में आइसक्रीम के ऐसे कई प्रकार हैं, जो अपने स्वाद और बनावट के कारण बहुत मशहूर हैं। आज हम तुम्हें अलग-अलग देशों की कुछ टेस्टी और अनोखी आइसक्रीम्स के बारे में बता रहे हैं।

दोंदुरमा आइसक्रीम तुर्किए

तुर्किए देश की दोंदुरमा आइसक्रीम अपनी खास 'खिंचाव' वाली बनावट के लिए जानी जाती है। इसमें दूध और चीनी के साथ 'सालेप' और 'मस्टिक' नामक सामग्री को मिलाया जाता है। सालेप इसे गाढ़ा बनाता है, मस्टिक इसे च्युइं

(च्विंग-गम की तरह) बनाता है। 'सालेप' (जंगली ऑर्किड की जड़ का पावडर) मिलाने की वजह से यह जल्दी पिघलती नहीं है। दोंदुरमा आइसक्रीम को बनाने के लिए इसे लोहे की छड़ों से लगातार फेंटा और पीटा जाता है, जिससे यह इतनी सख्त हो जाती है कि इसे हुक पर लटकाया जा सकता है। यह खाने में थोड़ी सख्त और इलास्टिक जैसी लगती है। अब तो अपने देश में भी कुछ शॉपिंग मॉल्स और कई बड़ी मार्केट्स में भी यह आइसक्रीम खाने के लिए मिल जाती है।

स्पैगेटी आइसक्रीम जर्मनी

यह आइसक्रीम दिखने में बिल्कुल इटैलियन स्पैगेटी पास्ता जैसी लगती है, लेकिन असल में यह वनीला आइसक्रीम

होती है। इसे एक मशीन से नूडल्स जैसा आकार दिया जाता है, ऊपर से टोमैटो सॉस जैसा दिखने वाला स्ट्रॉबेरी सॉस और सफेद चॉकलेट के टुकड़े डाले जाते हैं। इसे सन 1960 के दशक में डारियो फोंटानेला नाम के शख्स ने बनाया था। अकसर इसके बेस में व्हिप्ड क्रीम छिपी होती है, जो स्वाद को और बढ़ा देती है।

आई-टिम-पैड आइसक्रीम थाईलैंड

आई-टिम-पैड आइसक्रीम की शुरुआत थाईलैंड के स्ट्रीट मार्केट्स में लगभग 2009-2010 के आस-पास हुई थी। इसे बनाने की प्रक्रिया को 'कोल्ड स्टोन' तकनीक कहते हैं। इसका वीडियो यू-ट्यूब और इंस्टाग्राम पर इतना वायरल हुआ कि यह थाईलैंड से बाहर भी लगभग पूरी दुनिया के कई देशों के मॉल्स में भी बिकने लगी। इस आइसक्रीम को 'रोल्ड आइसक्रीम' के नाम से भी जाना जाता है। इसे एक ठंडी धातु

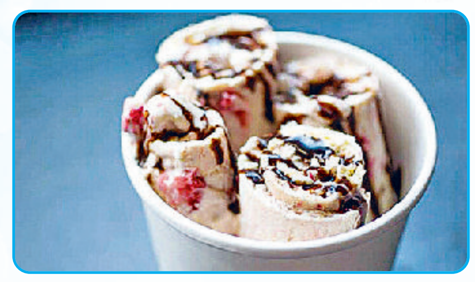

की प्लेट पर दूध और फ्लेवर डालकर बनाया जाता है। फिर इसे तब तक खुरचा जाता है, जब तक यह जम न जाए। इसके बाद फिर इसे पतले रोल में बदल दिया जाता है। यह आइसक्रीम देखने में जितनी मजेदार है, खाने में उतनी ही टेस्टी भी लगती है।

आइसक्रीम सैंडविच सिंगापुर

सिंगापुर में आइसक्रीम खाने का तरीका जरा हटके है। यहां सड़क किनारे आइसक्रीम विक्रेता आइसक्रीम का एक बड़ा आयताकार टुकड़ा काटते हैं, इसे रंगीन मीठी ब्रेड के स्लाइस

में लपेटकर या दो वेफर्स के बीच रखकर देते हैं। यह सिंगापुर में एक बेहद सस्ता और लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है। इसमें लगाई जाने वाली ब्रेड थोड़ी मीठी और अकसर रंगीन (जैसे गुलाबी या हरा) होती है। सैंडविच आइसक्रीम कॉर्न (मक्का), डूरियन (एक तीखी गंध वाला फल) और यम जैसे अनोखे फ्लेवर्स में भी मिलते हैं।

फालूदेह आइसक्रीम ईरान

फालूदेह दुनिया की सबसे पुरानी फ्रोजन डेजर्ट्स में से एक है। यह फारस (अब ईरान) की एक शानदार ठंडी मिठाई है,

जो 400 ईसा पूर्व के समय से चली आ रही है। फालुदेह पारंपरिक आइसक्रीम जैसी नहीं होती। इसमें चावल के आटे के बने नूडल्स होते हैं, जिन्हें सेमी-फ्रोजन सिरप में मिलाया जाता है। इसमें गुलाब जल मिलाकर इसे खट्टे चेरी, सॉस या नीबू के रस के साथ परोसा जाता है। यह पारंपरिक आइसक्रीम की तरह क्रीमी नहीं, एक गाढ़े शर्बत जैसा एहसास देती है।

सबसे महंगी आइसक्रीम

बच्चो, जापान की बयाकुया दुनिया की सबसे महंगी आइसक्रीम है। इसकी कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 5.3

लाख रुपए है। इस आइसक्रीम के महंगे होने की एक वजह यह भी है कि इसमें व्हाइट ट्रफल और सोने की परत का इस्तेमाल किया जाता है।

होकी पोकी आइसक्रीम न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के लोग आइसक्रीम के बेहद शौकीन होते हैं। यहां की सबसे प्रसिद्ध आइसक्रीम 'होकी पोकी' है। वैसे तो यह

साधारण वनीला आइसक्रीम होती है, लेकिन इसमें हनीकॉम्ब टॉफी के कुरकुरे टुकड़े मिलाए जाते हैं, जिससे इसका स्वाद अनूठा हो जाता है। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

आइसक्रीम का लुत्फ उठाओ

आइसक्रीम का लुत्फ उठाओ
लुत्फ उठाओ गोलू!
पिस्ता, केसर, चॉकलेट की
मैंगो, रबड़ी वाली,
स्ट्रॉबेरी और वनीला
ओरेंज बड़ी निराली,
अब खरीद कर इनको खाओ
इनको खाओ गोलू!
सस्ती भी हैं, महंगी भी हैं
जैसी चाहो लेना,

इस गर्मी की ऋतु में लेकिन
भुला न इनको देना,
फौरन घर से बाहर आओ
बाहर आओ गोलू!
तुम्हें पता ये कैसे बनतीं
क्या-क्या चीज मिलाते,
दूध, मलाई, चीनी, खोया
फ्लेवर डाले जाते,
अपने मुख का स्वाद बढ़ाओ
स्वाद बढ़ाओ गोलू!

तुम्हारे लिए नई किताब / नीलम राकेश

बालिकाओं की रोचक-प्रेरक कहानियां

बच्चों के लिए नागेश पांडेय 'संजय' के कई कहानी संग्रह आ चुके हैं। इनके संपादन में तुम्हारे लिए एक और कहानी संग्रह आया है - 'बालिकाओं की रोचक कहानियां'। इसमें उन्होंने देश के कई जाने-माने बाल साहित्यकारों की कहानियां संकलित की हैं, जो बालिकाओं को केंद्र में रखकर लिखी गई हैं। ये कहानियां रोचक तो हैं ही, प्रेरक भी हैं।

क्षमा शर्मा की कहानी 'दिवाली के दिन' में किशोरियों को यह समझ दी गई है कि माता-पिता और भाई ही उनके असली शुभचिंतक होते हैं। दिविक रमेश ने बालिकाओं पर जरूरत से ज्यादा नियंत्रण को लेकर 'रितु के पापा' शीर्षक से एक कहानी लिखी है। प्रकाश मनु की मनोरंजक कहानी 'खीर खाई टेडी बीयर ने' पढ़कर तुम्हें खूब मजा आएगा। शकुंतला कालरा की कहानी 'मदर्स-डे' में यह संदेश है कि भावनाएं अमूल्य होती हैं, भावनाओं की कीमत को भावनाओं से ही चुकाया जा सकता है। सूर्यनाथ सिंह की कहानी 'नानू का ननिहाल' में बच्चों को सैर-सपाटे का आनंद तो मिलेगा ही, अंधविश्वासों से सतर्क रहने की शिक्षा भी मिलेगी। समीर गांगुली की कहानी 'फूलों की खोज' बताती है, हमें हमेशा दूसरों की मदद करनी चाहिए। देवेंद्र कुमार की कहानी 'झुमकी का सपना' पढ़कर तुम झुमकी की तरह किसी लड़की का सपना पूरा करने के लिए प्रेरित होगे। उषा यादव की कहानी 'समय की कीमत' का संदेश है, हमें हमेशा समय का महत्व समझना चाहिए। इस कहानी संकलन में संपादक नागेश पांडेय 'संजय की भी एक कहानी 'मुझे कोई प्यार नहीं करता' पढ़ने को मिलेगी, जिसमें बताया गया है, अपने से छोटों को मिलते प्यार से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।

इनके अलावा इस किताब में संकलित अन्य लेखकों की कहानियां पढ़कर भी तुम्हें अच्छी सीखें मिलेंगी। *

किताब: बालिकाओं की रोचक कहानियां, **संपादक:** डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'
मूल्य: 230 रुपए, **प्रकाशक:** लवकुश प्रकाशन, लखनऊ

कहानी

विजयवीर सहाय

निधि, ऋद्धि और सिद्धि के पापा बहुत बड़े वैज्ञानिक थे। पापा ने अपनी तीनों बेटियों के कान के पीछे एक ऐसी अनोखी चिप लगा रखी थी, जिससे वे सामने वाले के मन की बात पढ़ सकती थीं। इस चिप और अपनी हिम्मत-समझदारी से तीनों बहनों ने अपने पापा को तो खतरे से बचाया ही, देश की रक्षा भी की। पढ़ो, तीन साहसी लड़कियों की कहानी।

चमत्कारी चिप

तीन बहनें थीं-निधि, ऋद्धि और सिद्धि। इनके पापा रवि एक बड़े वैज्ञानिक थे। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके थे। वह हरदम इंसानों की भलाई और देश की सुरक्षा के लिए नई-नई खोजों में लगे रहते। दिन में ऑफिस की प्रयोगशाला में काम करते तो रात में काम करने के लिए उन्होंने एक छोटी-सी प्रयोगशाला घर में बना रखी थी। अपने पापा को देखकर निधि-ऋद्धि-सिद्धि को भी विज्ञान में ज्यादा ही रुचि हो गई थी। स्कूल में साइंस की टीचर तरह-तरह के जो प्रयोग करके दिखातीं, उन्हें वे बड़े गौर से देखतीं। घर में रेडियो, टीवी और मोबाइल में आवाज और चित्र कैसे आते हैं? इस तरह के सवाल तीनों अपने पापा से पूछती रहती थीं। पापा भी उनकी जिज्ञासा शांत किया करते थे। वह अपने बच्चों को विज्ञान संबंधी पत्रिकाएं और किताबें लाकर दिया करते थे। निधि-ऋद्धि-सिद्धि की जिज्ञासा को देखते हुए पापा ने उन्हें घर की प्रयोगशाला में जाने की अनुमति दे रखी थी। पापा ने तीनों बहनों के कान के पीछे एक चिप लगा दी, जिससे वे सामने वाले के मन की बात पढ़ सकती थीं। इसके अलावा इस चिप के जरिए बिना बोले मानसिक तरंगों से एक-दूसरे तक अपनी बात पहुंचा सकती थीं। इससे उन्हें आपस में बात करने में बड़ा मजा आता। कभी किसी सामने वाले के मन की बात पता लगने पर पहले ही उसकी बात बोल देतीं और तब उसकी अचंभित सूरत देखकर खूब हंसतीं।

इन दिनों पापा एक ऐसी गैस का आविष्कार करने में जुटे थे, जो आपस में लड़-झगड़ रहे, हिंसा कर रहे लोगों पर छोड़ी जाए तो तुरंत वे यह सब छोड़कर शांति और दोस्ती का व्यवहार करने लगें। उनका कहना

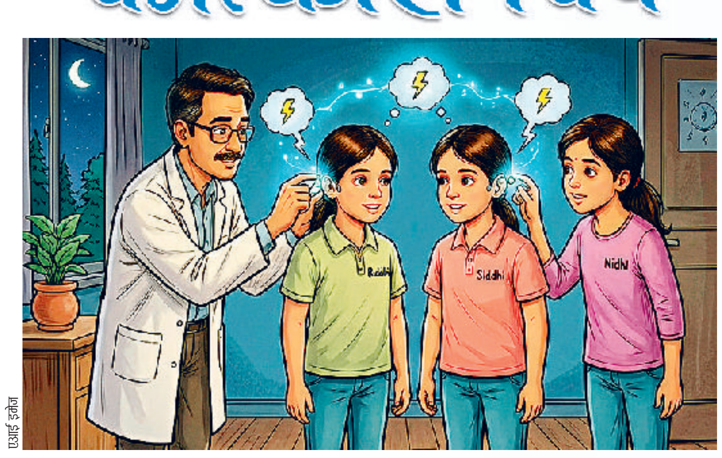

एआई इमेज

था कि जब लाफिंग गैस से लोगों को हंसाया जा सकता है या किसी गैस से उन्हें गुस्सैल और हिंसक बनाया जा सकता है तो ऐसी गैस क्यों नहीं बन सकती, जो लोगों के गुस्से को प्रेम और शांति की भावना में बदल दे?

एक दिन पापा दो बिल्लियों को प्रयोगशाला में लाए और एक गैस उनकी नाक के पास स्प्रे कर दी। कुछ ही पलों में दोनों गुर्रा कर एक-दूसरे पर हमला करने लगीं। फिर पापा ने दूसरे कंटेनर से गैस स्प्रे किया तो दूसरे ही पल वे शांत होकर आपस में प्यार से खेलने लगीं। यह देखकर पापा खुशी से उछल पड़े। तीनों बेटियों की तरफ देखकर बोले, 'अरे वाह, देखो-देखो सफल हो गई मेरी मेहनत।' निधि, ऋद्धि और सिद्धि ने भी तालियां बजाकर अपने पापा को बधाई दी।

एक दिन चार लोग पापा से मिलने आए। उन्हें ड्रॉइंगरूम में बैठाया गया। पापा उस समय प्रयोगशाला में थे। निधि उन्हें बुलाने चली गई और ऋद्धि मेहमानों के लिए पानी लेकर गई। पानी के गिलास उन्हें पकड़ा कर एक ओर खड़ी हो गई कि गिलास खाली हो जाएं तो वह वापस ले जाए।

तभी उसकी नजर उनके चेहरों पर पड़ी और उसके दिमाग से जुड़ी चिप ने संकेत दिया कि ये अच्छे लोग नहीं हैं। घर में खतरनाक इरादे से आए हैं। उसने तुरंत निधि को संदेश भेजा कि पापा को यहां आने से रोक दे, पर तब तक पापा दरवाजे से अंदर आते दिखे। ऋद्धि वहीं रुक गई और निधि को संदेश भेजा कि प्रयोगशाला से नई गैस वाला कंटेनर लेकर आए और सिद्धि को संदेश भेजा कि पुलिस को फोन करके तुरंत यहां आने को कहे। पापा के ड्रॉइंग रूम में आते ही चारों लोग एक साथ उठे और एक ने ऋद्धि को पकड़ कर उसका मुंह दबा दिया और दो लोगों ने उठकर पापा को दबोच लिया, चौथे ने उनकी कनपटी पर रिवॉल्वर सटाते हुए कहा, 'अपना नया फॉर्मूला तुरंत हमारे हवाले कर दो, शोर मचाया तो गोली मार दूंगा।'

'मार दो गोली, कोई फॉर्मूला तुम लोगों को नहीं दूंगा।' पापा ने दृढ़ता से कहा।

'अच्छा तो ऐसे नहीं मानोगे, ऐ जरा इनको समझाना तो..।' कहते हुए एक ने रिवॉल्वर वाले को इशारा किया। तभी निधि ने वहां आकर कंटेनर से ढेर सारी गैस स्प्रे कर दी। अगले ही पल उन्होंने पापा को छोड़ दिया और बड़े आदर के साथ हाथ जोड़कर एक बोला, 'सर, आप अपना फॉर्मूला हमें दे दीजिए, वर्ना हमारा बॉस हमारी जान ले लेगा।'

'जान तो हम भी नहीं छोड़ेंगे, न तुम लोगों की और न तुम्हारे बॉस की। चुपचाप हमारे साथ पुलिस स्टेशन चलो।' पुलिस इंस्पेक्टर ने कुछ सिपाहियों के साथ अंदर आते हुए कहा। सिपाहियों ने लपक कर चारों को हथकड़ी लगा दी और साथ लेकर चले गए। पूछताछ में पता चला कि चारों किसी खतरनाक गैंग के सदस्य थे, जो पापा की नई खास खोज का फॉर्मूला लेकर दुश्मन देश के हाथ बेचना चाहते थे। पापा की खोजी नई गैस, चमत्कारी चिप और निधि, ऋद्धि, सिद्धि की हिम्मत और समझदारी ने सब बदमाशों को पकड़वा दिया। अखबार, टीवी और रेडियो समाचारों में पापा की खोज और तीनों बहनों की हिम्मत और समझदारी की खूब तारीफ हुई। *

बूझो तो जानें

1. फल पाचन का पावर हाउस,
इसमें पेपीन एंजाइम होता।
पेट की गैस, एसिडिटी मिटाता,
पकने पर रंग पीला होता।

2. फाइबर का भरपूर खजाना,
करता सही है पाचन तंत्र।
विटामिन सी भरपूर है इसमें,
स्वास्थ्य का देता सुंदर मंत्र।

3. ब्रोमोलिन एंजाइम इसमें,
प्रोटीन पचाने में है सहायक।
विटामिन सी है, मैंगनीज भी,
सिर पर मुकुट सजाए नायक।

4. रात भिगो दें, प्रातः खाएं।
हाई बीपी रोग भगाएं।
खराब कोलेस्ट्रॉल घटाता।
नियमित सेवन स्वास्थ्य प्रदाता।

-गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर - 1 पपीता 2 अमरूद 3 अनानास 4 बादाम

जीके क्विज-206

1. तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का क्या नाम है?
2. अमेरिका की खोज किसने की थी?
3. शतरंज के इतिहास में दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंड मास्टर कौन बने हैं?
4. विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है?
5. बाणभट्ट किस शासक के दरबारी कवि थे?
6. स्वामी विवेकानंद के आध्यत्मिक गुरु कौन थे?
7. भारत में दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान कौन-सा है?
8. पेड़-पौधे किस रासायनिक प्रक्रिया द्वारा अपना भोजन बनाते हैं?
9. 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
10. किस ग्रह को पृथ्वी की जुड़वा बहन कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-206 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-205 का उत्तर : 1. शुभेंदु अधिकारी, 2. सोमनाथ मंदिर, 3. असम, 4. उत्तर प्रदेश, 5. शाहजहां, 6. राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, 7. सोडियम, 8. ओटावा, 9. हरा, 10. जय प्रकाश नारायण

जीके क्विज-205 का सही उत्तर देने वाले : डिगेंद्र-रायपुर, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, जिया शिया-रायगढ़, वर्णिका-खैरागढ़, कीर्ति-ईमेल से, कबीर-हिसार, पूरब-बिलासपुर, महक-रोहतक, सचिन-महासमुंद, सौरभ-बालोद, रोहित-दुर्ग

रंग भरो-202

रंग भरो-202 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

तन्वी, महेंद्रगढ़

आन्या, दुर्ग

ईशान, ईमेल से

दिशा, बिलासपुर

सोनम, रायपुर

रशिका, जांजगीर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आराध्या-रायपुर, प्रगति-बिलासपुर, सुमन-भोपाल, कुसुम्र-रोहतक, प्रिया-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, अतुल-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, रोहित-करनाल, आदर्श-रोहतक

रंग भरो 203

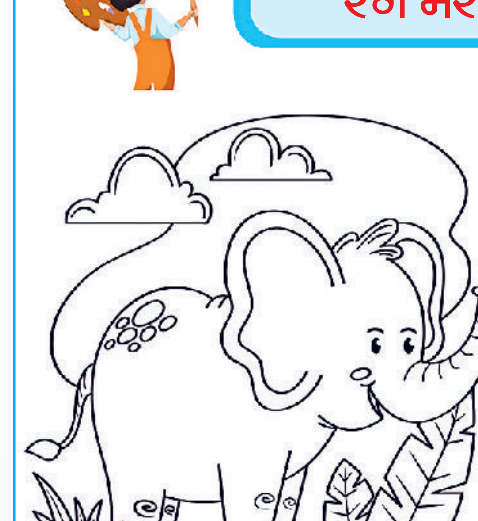

बच्चो, यहां जंबो हाथी का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

बैठक में जिला समन्वयक एफएलएन डॉ. विक्रम सिंह ने जिले की शैक्षणिक प्रगति पर विस्तृत पीपीटी प्रस्तुति दी

विद्यार्थियों की दक्षताओं को मजबूत करने तथा अध्यापन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

■ निपुण हरियाणा मिशन एवं सीआरपी कार्यक्रम की समीक्षा की

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार की अध्यक्षता में जिला परियोजना कार्यान्वयन इकाई (डीपीआईयू) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, निपुण हरियाणा मिशन तथा सीआरपी कार्यक्रम की विस्तार से समीक्षा करते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं परिणाममूलक बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एफएलएन डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीएसटी सदस्य, सम्पर्क के समन्वयक मनीष कुमार, जिला समन्वयक हुमाना सौरभ कुमार तथा सभी ब्लॉक एफएलएन समन्वयक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान डॉ. विक्रम सिंह ने जिले की शैक्षणिक प्रगति पर आधारित विस्तृत पीपीटी प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में विद्यालयों में विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, गतिविधि आधारित शिक्षण, मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति का विस्तार से उल्लेख किया गया। इसके बाद निपुण हरियाणा मिशन एवं सीआरपी कार्यक्रम की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। विद्यार्थियों की दक्षताओं को मजबूत करने, सीखने के परिणामों में सुधार लाने तथा अध्यापन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया।

नारनौल। शिक्षा विभाग की बैठक लेते जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार।

यह रहे मौजूद

इस बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी अटेली मुकेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल पवन कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नांगल चौधरी विकास जयदीप, डीएसटी सदस्य डॉ. नरेश कुमार, डॉ. राकेश कुमार, अजय कुमार, राजेश जाखड़, दिनेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अरुण कुमार, सूर्यकांत यादव, पंकज कुमार, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार, खंड एफएलएन समन्वयक संदीप कुमार, गुलशन कुमार, सुमित्रा देवी, डॉ. हेमंत तथा असिस्टेंट सहेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्यालय भ्रमण नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई

बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिन सीआरसी एवं एबीआरसी अधिकारियों द्वारा विद्यालय भ्रमण नहीं किया गया है, उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालय गोद लेने तथा वहां किए गए बेहतर कार्यों की रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा में जिला कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक ब्लॉक से उच्च गुणवत्ता वाली सीआरपी बेस्ट प्रैक्टिस वीडियो जिला स्तर पर साझा करने के निर्देश भी जारी किए गए। इसके साथ ही स्किल पासबुक अपलोडिंग एवं विद्यालय भ्रमण प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य किया गया। बैठक में कमजोर दक्षताओं की पहचान कर सुधारात्मक रणनीति तैयार करने, अधिक ड्रॉपआउट दर वाले विद्यालयों की सूची बनाने तथा सभी अध्यापकों का उचित कक्षा आवंटन डैशबोर्ड पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि इन कदमों से शिक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया जा सकेगा।

'गतिविधि आधारित शिक्षण से बच्चे जीवन में होंगे सफल'

जिला समन्वयक एफएलएन डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर यदि बच्चों को गतिविधि आधारित एवं दक्षता केंद्रित अध्यापन करवाया जाए तो वे जीवन में कभी असफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बच्चों की समझ और व्यवहारिक क्षमता विकसित करने पर ध्यान देना जरूरी है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने सभी अधिकारियों एवं समन्वयकों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि निपुण हरियाणा मिशन के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से हासिल किया जा सके।

खबर संक्षेप

छबील लगाकर पिलाया राहगीरों को मीठा पानी

मंडी अटेली। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच सागरपुर गांव के युवाओं ने सराहनीय पहल करते हुए सागरपुर से अटेली सड़क मार्ग पर मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों को राहत पहुंचाई। तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच जहां लोग गर्मी से बेहाल नजर आ रहे हैं, वहीं युवाओं की इस सेवा भावना ने लोगों को काफी राहत दी। युवाओं द्वारा लगाए गए इस सेवा शिविर में राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के ग्रामीणों को ठंडा मीठा पानी पिलाया गया। इस मौके पर दीपक, अजीत कुमार, कुलदीप, बिट्टू ठेकेदार, अनिल, कृष्णकांत सहित अन्य युवा मौजूद रहे।

शिकायतों का अविलंब हो निवारण: सीईओ

महेंद्रगढ़। लघु सचिवालय के कोर्ट रूम में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर व डीएमसी रणबीर सिंह ने आमजन की समस्याए सुनी और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं के आवेदनों को लंबित न रखा जाए और न ही उनके समाधान में कोई देरी की जाए। सीईओ निर्मल नागर ने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर आमजन की शिकायतों का निवारण करते हैं।

नेहरूनगर में ग्रामीणों की हुई बैठक

नांगल चौधरी। लिंगानुपात सुधार एवं गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण को लेकर सीएचसी इंचार्ज एसएमओ डॉ. विकास टेकवानी के दिशानिर्देशों में सिरोही बहाली पीएचसी के अंतर्गत नेहरूनगर में ग्रामीणों की बैठक बुलाई गई। जिसमें डॉ. योगेश कुमार व बीएसी सुभाष यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं को पीएनडीटी एक्ट व असंतुलित लिंगानुपात के दुष्परिणामों ने अवगत कराया। आशा वर्करों को गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य व अवैध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने की हिदायत दी। आशा वर्कर व एएनएम स्टॉफ को नवविवाहित महिलाओं को सुचीबद्ध करना अनिवार्य है।

वित्त विभाग के आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक की

एफपीओ के उत्पादों को बाजार देने के लिए हर महीने लगेंगे विशेष मेले

जिले में इन योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का पूरा खाका प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर किसी उपयुक्त स्थान पर नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) की ओर से समर्थित स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के उत्पादों की सीधी बिक्री के लिए हर महीने विशेष वन डे स्पेशल सेल ड्राइव और मेलों का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव तथा नाबार्ड के निदेशक मंडल के सदस्य सीजी रजनी कांथन की अध्यक्षता में वीरवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में इस कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद एडीसी तरुण कुमार पावरिया। फोटो : हरिभूमि

नाबार्ड पिछले चार दशकों से हरियाणा के विकास में एक मजबूत भागीदार रहा

इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जिला महेंद्रगढ़ की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने भाग लिया और जिले में इन योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का पूरा खाका प्रस्तुत किया। बैठक के बाद एडीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ग्रामीण समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण और विशेषकर महिलाओं की आजीविका को एक स्थायी व सुदृढ़ मॉडल में बदलने के लिए यह पहल मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने बताया कि नाबार्ड पिछले चार दशकों से हरियाणा के विकास में एक मजबूत भागीदार रहा है, जिसने ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष (आरआईडीएफ) के तहत बीते पांच वर्षों में ही राज्य को करीब 7.840 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास, विपणन, प्रदर्शनियों और भौगोलिक संकेतक (जीआई) सपोर्ट के लिए 14.64 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान सहायता दी गई है।

मुख्य स्थानों का हो रहा चयन

इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ के सदस्यों के सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौती, यानी बाजार तक सीधी पहुंच को पूरी तरह से दूर करना है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन इस जनहितैषी योजना को धरातल पर पूरी मुस्तैदी से लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर ऐसे उपयुक्त एवं मुख्य स्थानों का चयन किया जा रहा है। जहां आम जनता की आवाजाही सबसे अधिक होती है, ताकि इन मेलों में आने वाले ग्रामीण कारीगरों व किसानों को अधिकतम ग्राहक मिल सकें। एडीसी ने कहा कि प्रत्येक माह की 10 तारीख या उससे पहले इस एक दिवसीय विशेष बिक्री शिविर का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें

प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि इन मेलों में भाग लेने वाले स्वयं सहायता समूहों व किसान संगठनों के सदस्यों को पीने का साफ पानी, उचित स्वच्छता, पर्याप्त वेंटिलेशन और गर्मी के मौसम को देखते हुए कूलिंग की मुकम्मल व्यवस्थाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं। इस पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक को प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो हर आयोजन के लिए जिला प्रशासन के साथ मिलकर सभी लॉजिस्टिकल व्यवस्थाएं संभालेंगे। एडीसी तरुण कुमार पावरिया ने जिले के नागरिकों और सरकारी अमले से भी अपील की है कि वे इन मासिक मेलों में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों को खरीदें व ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। इस बैठक में डीडीएम नाबार्ड अतीश तोमर के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

महिलाओं की कलश यात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

मंडी अटेली। अटेली में श्रीमद्भागवत कथा में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

■ अटेली कस्बे में भव्य श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंडी अटेली

अटेली कस्बे में पुरुषोत्तम अधिक मास के पावन अवसर पर भव्य श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा से पूर्व 101 महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें कस्बे की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सिर पर मंगल कलश धारण किए महिलाएं भजनों पर झूमती नजर आईं।

यह यात्रा श्रीराधाकृष्ण मंदिर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल ताजपुरिया धर्मशाला पहुंची। जितेंद्र सिंघल और पवन सिंघल के सौजन्य से आयोजित इस आठ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्ति और आध्यात्म के अनूठे संगम में सराबोर हो गया है। आयोजक पवन सिंघल ने बताया कि यह कथा 21 मई से प्रारंभ होकर 28 मई तक चलेगी, जिसका समापन पूर्ण आहुति और विशाल भंडारे के साथ होगा। कथा के पहले दिन विख्यात आचार्य राधावल्लभ महाराज ने व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महात्म्य' का अमृतपान कराया।

श्रीमद्भागवत साक्षात श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप

कथावाचक आचार्य राधावल्लभ महाराज ने भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत साक्षात श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। इसके श्रवण मात्र से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं और अज्ञान का अंधकार मिट जाता है। उन्होंने महात्म्य समझाते हुए कहा कि जब भक्ति, ज्ञान और वैराग्य संकट में थे, तब देवर्षि नारद के अनुरोध पर सन कुमारों ने उन्हें भागवत कथा सुनाई थी जिससे ज्ञान-वैराग्य पुन जाग्रत हो उठे। कथावाचक ने कहा कि कलियुग में भवसागर से पार उतरने और मोक्ष प्राप्ति के लिए भागवत कथा से सुलभ और कोई साधन नहीं है।आठ दिवसीय इस आयोजन में प्रतिदिन ध्रुव चरित्र, नृसिंह अवतार, श्रीराम व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और रुक्मणी विवाह जैसे प्रसंगों का सजीव वर्णन होगा।

महेंद्रगढ़। लाल रंग की पोशाक में बच्चे। फोटो : हरिभूमि

बचपन प्ले स्कूल में मनाया रेड-डे

महेंद्रगढ़। मौदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहर नगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में रेड-डे मनाया गया। इस कार्यक्रम में लाल रंग की अधिकता और उसके महत्व को दर्शाया गया। विद्यालय की सभी अध्यापिकाएं एवं बच्चे लाल रंग के परिधान में विद्यालय पहुंचे और लाल रंग के फल फ्रूट्स तथा लाल रंग का शरबत बनाकर एक दूसरे को पिलाया गया। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि यह दिन लाल रंग को समर्पित है, जो ऊर्जा, जोश और सक्रियता का प्रतीक है। इस अवसर पर प्राचार्या शालिनी गोयल, उप प्राचार्या मोनिका दीवान, बचपन हेड पूनम गोस्वामी, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, महिमा, रेणु, रितु, आरती आदि मौजूद रही।

आरोही स्कूल के लिए सीधी बस सेवा शुरू

नांगल चौधरी। विभिन्न गांवों के अभिभावकों ने रोडवेज विभाग के महाप्रबंधक के नाम एसडीएम उमेद सिंह को ज्ञापन सौंपकर नांगल चौधरी से आरोही स्कूल मंढाणा के लिए सीधी बस सेवा शुरू करने की गुहार लगाई है। जिससे बच्चों को समय पर घर व स्कूल पहुंचने में मदद मिलेगी। सोनू तंवर, कविता सैनी, संदीप कुमार, राजेंद्र सिंह, अंकित, संगीता ने बताया कि वर्तमान में स्कूल बस वाया छिलरो होकर चलती है, बस पकड़ने के लिए बच्चे सुबह करीब छह बजे स्कूल के लिए निकल जाते हैं, जबकि स्कूल पहुंचने में काफी समय लग जाता है। वहीं छुट्टी के बाद शाम करीब चार बजे बच्चे घर पहुंचते हैं। इस लंबे सफर के कारण बच्चों का पूरा दिन यात्रा में ही बीत जाता है, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस करते हैं।

एमएनआईटी जयपुर में हुआ आरपीएस की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ

आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस बलाना द्वारा प्रतिष्ठित संस्थान मालवीय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमएनआईटी जयपुर में फैकल्टी भर्ती के लिए विशेष कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस ड्राइव का उद्देश्य आरपीएस संस्थान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों से योग्य एवं प्रतिभाशाली फैकल्टी सदस्यों की नियुक्ति करना रहा। इस चयन समिति में प्रो. राजेन्द्र सिंह (डीन एकेडमिक्स), डॉ. रविन्द्र कुमार (हेड-मैनेजमेंट विभाग) एवं गीतांजलि गांधी (हेड-कंप्यूटर साइंस विभाग) प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महेंद्रगढ़। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में उपस्थित स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समिति ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर उनकी शैक्षणिक योग्यता, शोध क्षमता एवं शिक्षण कौशल का मूल्यांकन किया। संस्थान निदेशक डॉ. महेश के यादव एवं रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र एस यादव के विशेष प्रयासों एवं मार्गदर्शन से मालवीय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) जयपुर के साथ यह महत्वपूर्ण समन्वय स्थापित हो सका, जिसके माध्यम से आरपीएस ग्रुप को उत्कृष्ट शिक्षकों से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

भोजावास में मनाई गई राजीव गांधी की जयंती

नारनौल। गांव भोजावास के बस स्टैंड पर गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती एवं आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस महासचिव नंदलाल बाबू रहे, जबकि अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश मांडैया ने की।

वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने, सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति लाने तथा आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें युवा भारत का स्वप्नदृष्टा बताते हुए शहादत को नमन किया गया।

भीषण गर्मी में पशु, पक्षियों के लिए आगे आए युवा

वर्षों से सूखी पड़ी खेलियों में युवाओं ने भरवाया पानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

नांगल चौधरी शहर के वार्ड नंबर आठ में वर्षों से खाली व गंदगी से अटी पड़ी पानी की खेलियों को युवाओं ने साफ कर उनमें दोबारा पानी भरवाने का सराहनीय कार्य किया। भीषण गर्मी के बीच जीव जंतुओं और आवारा पशुओं को राहत देने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। इस सामाजिक पहल को युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से संयुक्त रूप से अंजाम दिया गया। संस्था के सदस्यों ने सबसे पहले खेलियों में जमा मिट्टी, कचरा और गंदगी को साफ किया। इसके बाद पानी की उचित व्यवस्था कर खेलियों को भरवाया गया, ताकि गर्मी में पशु, पक्षियों को पानी के लिए भटकना न पड़े। स्थानीय लोगों ने भी युवाओं की इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अभियान में योगेश सैनी, कुलदीप, तनुज, अमित सैनी, बलवीर ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं वार्ड नंबर आठ के नगर पार्षद होशियार सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करना पुण्य का कार्य है और समाज के हर व्यक्ति को इसमें भागीदारी निभानी चाहिए।

नारनौल। सूखी खेलियों में पानी भरवाते युवा।

लगातार जारी रहेगी मुहिम

संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे गर्मी के मौसम में लगातार चलाया जाएगा। जहां जहां पानी की कमी दिखाई देगी। वहां खेलियों व अन्य जल स्रोतों को साफ कर पानी उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के सदस्य योगेश सैनी ने कहा भीषण गर्मी केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु, पक्षियों के लिए भी बड़ी चुनौती बन जाती है। कई बार पानी नहीं मिलने के कारण बेजुबान जीव तड़पते रहते है। हमारी कोशिश है कि समाज के लोग आगे आएं और अपने आसपास पानी की व्यवस्था करें। छोटी छोटी पहल से भी बड़े बदलाव संभव है।

लोगों से सहयोग की अपील

संस्था ने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे अपने घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर पानी के बर्तन रखें, ताकि गर्मी में पक्षियों और पशुओं को राहत मिल सके। युवाओं की इस पहल से क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता का सकारात्मक संदेश देखने को मिला।

कुश्ती में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले पहलवान पीयूष का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त कर गांव में पहुंचने पर ग्राम पंचायत गहली की ओर से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पहलवान पीयूष बड़ेसरा व उसके कोच पवन शास्त्री को भव्य स्वागत जुलूस के साथ समारोह स्थल पर लाया गया। गांव व क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने समारोह स्थल पर पहुंचकर पहलवान पीयूष बड़ेसरा को बधाई दी। सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षक अमरजीत सिंह बड़ेसरा बताया कि इस राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 12 मई को उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में किया गया था। जिसमें राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि पहलवान पीयूष बड़ेसरा चार वर्षों से झज्जर की व्यायामशाला में कोच पवन शास्त्री के सानिध्य में कुश्ती का अभ्यास कर रहा है। गत वर्ष भी अंडर 23 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता पंचकूला में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। पीयूष के पिता सूबेदार अमृतपाल बड़ेसरा भी कबड्डी के ख्याति प्राप्त खिलाड़ी रहे हैं।

PUBLIC NOTICE

I Shishram S/o Umrav Singh R/o Village Golwa Tehsil Nangal Choudhary Distt. Mahendergarh Haryana declare that i want change my minor son father from Mandeep Batar son Sheesh Ram to Mandeep Batar Son Shishram.

स्कूलों में 25 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित

■ भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने जारी किए आदेश, एक जुलाई से खुलेंगे स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए हरियाणा सरकार ने सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय पंचकूला की ओर से जारी आदेशों के अनुसार प्रदेशभर के स्कूल 25 मई (सोमवार) से 30 जून (मंगलवार) तक बंद रहेंगे। इसके बाद सभी विद्यालय एक जुलाई (बुधवार) से पूर्व निर्धारित समयानुसार दोबारा खुलेंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि गर्मी की भीषणता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। आदेश प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों एवं खंड मौलिक शिक्षा अधिकारियों को भेज दिए गए हैं।

यह बोले डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी डा. विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि 25 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश कन्फर्म है। भीषण गर्मी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अब 25 मई के बाद एक जुलाई से ही स्कूल खुलेंगे।

सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होंगे आदेश

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश प्रदेश के सभी सरकारी तथा प्राइवेट विद्यालयों पर समान रूप से लागू होंगे। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के विद्यालयों में इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करवाएं। विद्यालय प्रमुखों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्रीष्मकालीन अवकाश की जानकारी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों तक सूचना-पत्र, एसएमएस, व्हाट्सएप संदेश एवं अन्य संचार माध्यमों के जरिए समय पर पहुंचाएं, ताकि किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति न बने।

छुट्टियों के दौरान जरूरी गतिविधियां रहेंगी जारी

शिक्षा निदेशालय ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान गृहकार्य, एसएमसी बैठक, पीटीएम तथा अन्य आवश्यक गतिविधियों को जरूरत के अनुसार समयबद्ध तरीके से आयोजित किया जा सकेगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में लगातार बढ़ते तापमान के चलते छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी। ऐसे में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। अभिभावकों ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि भीषण गर्मी में बच्चों को राहत देने के लिए लिया गया यह कदम सराहनीय है। वहीं विद्यार्थियों में भी छुट्टियों को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित

नारनौल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी के अवसर पर दिए जाने वाले सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश स्तर पर पहचान दिलाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से पूरे वर्ष आवेदन किए जा सकते हैं, जिसमें व्यक्ति स्वयं भी नामांकन कर सकता है या किसी अन्य योग्य दावेदार का नाम भी प्रस्तावित कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि यह पुरस्कार आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्रदान किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आपदा के समय बचाव, राहत, पुनर्वास, पूर्व चेतावनी, स्थानीय नवाचार व आपदा रोधी निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में असाधारण काम करने वालों को सम्मानित करना है। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन की कमान संभालने वाले सभी सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, आपातकालीन सेवाओं, स्वयंसेवी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस पुरस्कार की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का मुख्य फोकस उन फ्रंटलाइन वर्कर्स, सामुदायिक लीडर्स और संस्थाओं की पहचान करना है, जो संकट के समय सबसे आगे रहकर लोगों की जान माल की रक्षा करते हैं। जिला प्रशासन ने आम जनता और संबंधित विभागों से अपील की है कि वे आपदा जोखिम को कम करने, अंतिम छोर तक सूचना पहुंचाने व स्थानीय स्तर पर नई तकनीकों का इस्तेमाल करने वाली बेहतरीन कोशिशों का दस्तावेजीकरण करें और उनका नामांकन जरूर करवाएं।

गांवों को जोड़ने वाले लिंक मार्गों के लिए सांसद ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बवाना से अगिहार का कच्चा रास्ता। फोटो: हरिभूमि

जिले के गांव से गांव को जोड़ने वाले सात रास्तों के निर्माण के सांसद धर्मबीर सिंह ने पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि हरियाणा सरकार की पॉलिसी है कि पांच करम के सभी कच्चे रास्ते पक्के किए जाएंगे। इसके तहत अनेक रास्ते पक्के भी किए गए हैं, जिससे लाखों किसानों एवं आमजन को सुविधा भी मिली है। जिला महेंद्रगढ़ के सात ऐसे ही कच्चे रास्ते मंजूरी मिलने के बाद भी लंबे समय से निर्माण शुरू होने की बाट देख रहे हैं। इसी को लेकर सांसद धर्मबीर सिंह ने हरियाणा एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक को पत्र लिखा है। सांसद ने कहा है कि इन रास्तों से आवाजाही करने वाले किसानों एवं आमजन को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए इन रास्तों के निर्माण का कार्य जल्द-से-जल्द शुरू किया जाए।

इन रास्तों के निर्माण के लिए लिखा पत्र

- गांव शेरपुर से गांव लहरोदा-रोड आइडी 10451
- गांव मंडलाना से रघुनाथपुरा-रोड आईडी 11979
- गांव चिंडालिया से भालोठ-रोड आईडी 11374
- गांव बवाना से खरखड़ा बास-रोड आईडी 11228
- गांव निम्बी से जोनावास-रोड आईडी 11589
- गांव भालखी से देवास- रोड आईडी 11451
- गांव जांजडियावास से खातोद-रोड आईडी 11600

■ लगभग नौ करोड़ की लागत से होना है निर्माण, लंबा समय बीत जाने के बाद भी नहीं शुरू हुआ है काम

18 साल का लंबा इंतजार खत्म: पुलिस की सक्रियता से अपनों से मिला बिहार का विवेकानंद

कनीना। कहते हैं कि अगर उम्मीद जिंदा हो और किस्मत मेहरबान, तो बिछड़े हुए लोग पाताल से भी ढूंढ निकाले जाते हैं। कुछ ऐसा ही भावुक मंजर हरियाणा के कनीना सदर थाना में देखने को मिला। जहां बिहार का एक व्यक्ति पूरे 18 साल बाद अपने परिवार से दोबारा मिल सका। जैसे ही वर्षों से बिछड़ा हुआ सदस्य आंखों के सामने आया, परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। जानकारी के अनुसार बिहार के वैशाली जिले का रहने वाला विवेकानंद झा पुत्र नागदेव झा करीब 18 वर्ष पहले अपने घर से लापता हो गया था। सालों तक परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। वक्त बीतता गया और परिवार ने लगभग उम्मीदें छोड़ दी थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। विवेकानंद झा कनीना खंड के गांव इसराना में पिछले आठ साल से घरेलू कार्य कर रहा था। जहां दो परिवारों के बीच पैदा हुई बहस ने उसकी किस्मत बदल दी। कनीना सदर थाना पुलिस ने उन्हें तलब किया, तो विवेकानंद झा भी चला आया। बातों बातों में उसने कह दिया कि उनके विरुद्ध हत्या जैसा केस चला हुआ है। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तथा गहनता से तफ्तीश शुरू की, तो उसकी पहचान बिहार निवासी के रूप में हुई।

पोर्टल पर जल्द अपलोड होंगी 10 नई कॉलोनियां

नारनौल। हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी व जन कल्याणकारी नक्शा कार्यक्रम योजना को धरातल पर पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने नगर परिषद कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता सह नोडल अधिकारी राकेश पूनिया भी मौजूद थे। डीएमसी ने कहा कि सरकार की इस विशेष योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की कॉलोनियों का सटीक सर्वे कर मालिकाना हक से जुड़े डेटा को त्रुटिहीन बनाना है, ताकि भविष्य में आम जनता को अपनी संपत्ति के स्वामित्व को लेकर किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद या मानसिक परेशानी का सामना न करना पड़े। डीएमसी ने पूर्व में आवंटित कॉलोनियों के नक्शा प्रोजेक्ट और चल रहे सर्वे कार्य की समीक्षा की। इसमें अधिकारियों को कर्तव्य निष्ठा के साथ काम करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण रेवाड़ी की ओर से हुडा सेक्टर एक के रिकॉर्ड ऑफ राइट्स से संबंधित जो डेटा उपलब्ध कराया गया है। अब उसका गहन विश्लेषण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पटवारियों व सर्वेक्षकों को स्वयं मौके पर जाने और फील्ड में वर्तमान जमीनी स्थिति का सटीक डेटा हासिल करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी स्तर पर आंकड़ों में विसंगति न रहे।

नागरिक अस्पताल में 'विजिटर्स पॉलिसी' लागू, मिलने का समय किया निर्धारित

अब निर्धारित समय पर ही मिल सकेंगे अस्पताल में भर्ती मरीजों से परिजन

राजकुमार ▶▶| नारनौल

अलग खबर

नागरिक अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिलने आने वाले लोगों को अब निर्धारित समय का विशेष ध्यान रखना होगा, क्योंकि सरकार की हिदायत के अनुसार नागरिक अस्पताल में विजिटर्स पॉलिसी को लागू कर दिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण रोकथाम और अस्पताल में बढ़ती भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से मिलने का समय तय कर दिया है।

नई व्यवस्था के अनुसार अब भर्ती मरीजों से सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सायंकाल 5 बजे से 7 बजे तक ही मुलाकात की जा सकेगी। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि के अलावा मरीजों से मिलने आने वाले लोगों को अस्पताल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह निर्णय अस्पताल में लगातार बढ़ती अव्यवस्था, संक्रमण के खतरे और उपचार कार्य में आ रही बाधाओं को देखते हुए लिया गया है। नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 1000–1200 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। करीब 100 बैड वाले इस अस्पताल में डिलीवरी वार्ड, सिजेरियन केस वार्ड, आईसीयू एवं दुर्घटनाग्रस्त सहित विभिन्न वार्डों में लगातार मरीज भर्ती रहते हैं। ऐसे में मरीजों से मिलने आने वाले लोगों की अत्यधिक भीड़ कई बार अस्पताल के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार अनेक बार एक मरीज से मिलने के लिए कई-कई लोग वार्ड में पहुंच जाते हैं, जिससे वहां शोर-शराबा और अव्यवस्था का माहौल बन जाता है। कई लोग मरीज के पास लंबे समय तक बैठकर बातचीत करते रहते हैं, जबकि मरीज को आराम और शांत वातावरण की आवश्यकता होती है। इसका नकारात्मक असर मरीज के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। अस्पताल स्टाफ का कहना है कि भीड़ अधिक होने के कारण डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को वार्डों में आने-जाने तथा मरीजों का उपचार करने में भी दिक्कत होती है।

नारनौल। मिलने के समय का भर्ती मरीज के गेट पर लगाया गया हरे रंग का नोटिस तथा लगाया गया नोटिस। फोटो: हरिभूमि

संक्रमण फैलने का भी बना रहता है खतरा

अस्पताल प्रशासन का मानना है कि बाहर से आने वाले लोगों के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। खासतौर पर आईसीयू, डिलीवरी वार्ड और ऑपरेशन के बाद भर्ती मरीजों के लिए संक्रमण का खतरा अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अस्पताल में भर्ती मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य व्यक्ति की तुलना में कमजोर होती है। ऐसे में अधिक संख्या में लोगों का वार्डों में आना मरीजों के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा अस्पतालों में मुलाकात के समय को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिन्हें अब नागरिक अस्पताल में सख्ती से लागू किया जा रहा है।

तय समय के अलावा प्रवेश पर रहेगी रोक

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत निर्धारित समय के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को वार्डों में मरीजों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुरक्षा कर्मियों और अस्पताल स्टाफ को भी निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यदि लोग सहयोग करेंगे तो अस्पताल में बेहतर व्यवस्था कायम रहेगी और मरीजों को भी शांत एवं सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

यह है नई व्यवस्था

- सुबह 10 बजे से 12 बजे तक मुलाकात का समय
- शाम 5 बजे से 7 बजे तक ही मरीजों से मिल सकेंगे परिजन
- निर्धारित समय के अलावा प्रवेश पर रोक
- अस्पताल में भीड़भाड़ कम करने पर जोर
- संक्रमण रोकथाम और उपचार व्यवस्था सुधारने की पहल

डिप्टी एमएस ने लोगों से की सहयोग की अपील

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. विजय डबास ने बताया कि अस्पताल में सरकार के निर्देशों को लागू किया जा रहा है। यह निर्णय मरीजों एवं अस्पताल हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों को नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

शिकायत के बाद भी नहीं बदली पुरानी केबल

नारनौल। मोहल्ला फ्रांसखाना में 40 साल पुरानी केबल शिकायत करने के बाद भी बिजली निगम की ओर से नहीं बदली जा रही है। जिसके कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि मंगलवार रात केबल अचानक टूट गई। जिसे बड़ी मशक्कत के बाद तीन घंटे में जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि फरवरी में निगम को लिखित शिकायत दी थी, जिसमें कहा था कि मोहल्ला फ्रांसखाना में विजय गोस्वामी के मकान से लेकर श्याम हलवाई की दुकान तक लगभग 100 फीट लम्बी केलब पूरी तरह खराब हो चुकी है, जो अनेक बार टूट जाती है। उन्होंने बताया कि लिखित शिकायत के बाद भी केबल नहीं बदली गई तथा मंगलवार रात केबल टूट गई।

रक्तदान शिविर में किया 36 यूनिट रक्त एकत्रित

नारनौल। स्वर्गीय अतुल यादव की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस (पानी की टंकी के पास) में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संयोजन हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन व गोसेवा मंडल की ओर से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एसडीएम अनिरुद्ध यादव थे। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों व आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुल 36 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। इस मौके पर अतुल यादव के पिता राजेश यादव, श्री अनाथ गोशाला प्रधान उज्जनपाल यादव, गोसेवा मंडल प्रधान सतपाल यादव, संस्थापक मुकेश वालिया, पब्लिक हेल्थ परिवार जिला प्रधान रमेश यादव, गजेंद्र नंबरदार, दलीप यादव, पब्लिक हेल्थ परिवार प्रधान रामशरण यादव, सज्जन सिंह, आर्य समाज के प्रधान भूपेंद्र सिंह आर्य, देशराज एडवोकेट, ओमप्रकाश लेक्चरर आदि रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

अटेली में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का धरना छठे दिन भी जारी

मंडी अटेली। अटेली में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर धरना वीरवार को छठे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ रोष जताते हुए कहा कि बार-बार मांगें उठाने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है। धरने के दौरान कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में उनका अहम योगदान है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें न तो पर्याप्त सुविधाएं मिल रही हैं और न ही उचित सम्मान। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा देना और न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये प्रतिमाह सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा कार्य के दौरान सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध करवाने, सफाई के लिए आवश्यक उपकरण देने तथा महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने की मांग भी उठाई गई।

मंडी अटेली। ग्रामीण सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए।

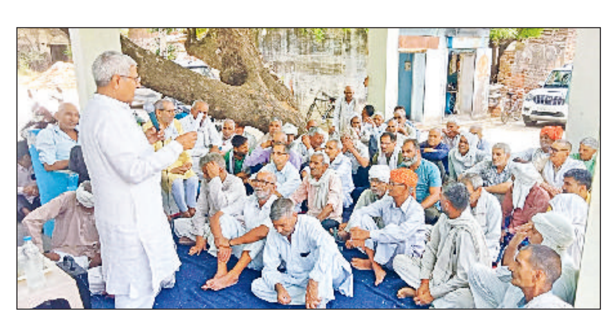

नारनौल। पंचायत को सम्बोधित करते बसपा नेता अतरलाल। फोटो: हरिभूमि

बिजली कटौती पर ग्रामीणों ने जताया रोष

नारनौल। भीषण गर्मी में की जा रही बिजली कटौती के विरोध में सिलारपुर गांव में पंचायत आयोजित की गई। गांव की परस में आयोजित पंचायत की अध्यक्षता बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने की। पंचायत को सम्बोधित करते हुए शेरसिंह यादव, जगदीश, श्योताज सिंह, अशोक कुमार, हजारीलाल, बिजेन्द्र, दीनदयाल शर्मा ने कहा कि बिजली निगम की ओर से क्षेत्र में की जा रही बिजली कटौती के कारण ग्रामीण परेशान हैं। बिना बताए व अधिसूचित किए बिजली निगम लंबे लंबे कट लगाता है। एक तरफ तो भीषण गर्मी पड़ रही है, दूसरी तरफ बिजली कटौती से लोगों का जीवन दुभर हो गया है। बसपा नेता अतरलाल ने कहा कि ग्रामीणों को परेशान होकर पंचायत आयोजित करनी पड़ रही है। इस मौके पर भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ, दानसिंह प्रजापत, धर्मपाल, मनोज, राजकुमार, मक्खन, सतबीर, लीलाराम, कैलाश, बलबीर, शिभूदयाल, विद्यादत, रघबीर, प्रदीप, रामजस, बाबूलाल, बीरसिंह, महेन्द्र, दीनदयाल शर्मा, बृजलाल आदि मौजूद रहे।

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ आज होगी आम बैठक

नारनौल। नगर परिषद नारनौल के यूनियन कार्यालय में गुरुवार को सर्व कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान कौशल यादव ने की। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कौशल यादव ने बताया कि शुक्रवार 22 मई 2026 को सर्व कर्मचारी संघ के राज्य वरिष्ठ प्रधान जरनैल सिंह पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस नारनौल में आयोजित आम सभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के साथ हो रहे शोषण, सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों तथा लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कई विभागों में 20-20 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को अभी तक पक्का नहीं किया गया है, जबकि पार्ट टाइम कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही है। बैठक में कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी उठाई। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन नीति लागू करना जरूरी है।

नारनौल। मीटिंग में सलाह मशविरा करते कर्मचारी नेतागण। फोटो: हरिभूमि

दुश्वारी | घर की छतों पर जाने से घबरा रहे लोग, पालिका प्रशासन से मदद की गुहार

बंदरों के बढ़ते आतंक से शहरवासी परेशान, रास्तों में निकला हुआ दूभर

सुबह और शाम के समय बंदरों का झुंड छतों और गलियों में रहता है अधिक सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मोहल्लों, कॉलोनियों और बाजारों में बंदरों के झुंड खुलेआम घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। आए दिन बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं और घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई जगहों पर बंदरों ने लोगों पर हमला करने की भी कोशिश की है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों में खासा भय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और शाम के समय बंदरों का झुंड छतों और गलियों में अधिक सक्रिय रहता है। घरों की खिड़कियां और दरवाजे खुले मिलते ही बंदर अंदर घुस जाते हैं। कई परिवारों ने शिकायत की है कि बंदरों ने रसोई में रखे फल, सब्जियां और राशन खराब कर दिया। वहीं कपड़े फाड़ने और पानी की टंकियों के ढक्कन खोलने जैसी घटनाएं भी सामने आ रही हैं। शहर में पुलिस थाने, मौहल्ला सैनीपुरा, डॉ. भगत वाली गली, मौहल्ला निमड़ी नीचे, ढाणी मौहल्ला, करेलिया बाजार, नागरिक अस्पताल क्षेत्र में बंदरों का आतंक सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार नगर पालिका को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है।

महेंद्रगढ़। मौहल्ला नीमड़ी नीचे एक गली में बैठा बंदर का झुंड। फोटो: हरिभूमि

बच्चों से बड़ों तक सभी परेशान

बंदरों की संख्या लगातार बढ़ने से समस्या और गंभीर होती जा रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों और कामकाजी लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चे अकेले घर से निकलने में डर महसूस करते हैं। कुछ दिन पहले एक महिला के हाथ से बंदरों ने सामान छीन लिया, जिससे वह घायल हो गई। ऐसे मामलों के बाद लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके।

यह कहते हैं चेयरमैन

नगर पालिका हाउस की बैठक में इस समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। शीघ्र ही बंदरों को पकड़वाया जाएगा। बंदरों को पकड़ने के लिए टैंडर पास सुरक्षित जगह पर छोड़ा जाएगा। नपा को बार-बार यह शिकायत मिल रही है तथा जल्द ही इसका समाधान भी किया जाएगा। - **रमेश सैनी, प्रधान, नगर पालिका, महेंद्रगढ़।**

ट्यूबवेल से नोजल और बिजली की केबल चोरी

महेंद्रगढ़। गांव बुचौली में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। चोरों ने एक बार फिर एक किसान के ट्यूबवेल को निशाना बनाते हुए वहां से फव्वारों की नोजल और बिजली की केबल पर हाथ साफ कर दिया। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों और किसानों में भारी रोष है। पीड़ित किसान राजेंद्र प्रसाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 मई की रात को उनके ट्यूबवेल पर पशुओं के चारे की सिंचाई के लिए फव्वारे लगाए गए थे। रात के समय अज्ञात चोरों ने खेत में घुसकर 11 फव्वारा नोजल चोरी कर लिए। इसके साथ ही चोरों ने ट्यूबवेल से बिजली के स्टार्टर तक आने वाली करीब 70 फीट लंबी बिजली की केबल भी काट ली और फरार हो गए। पीड़ित किसान ने पुलिस को बताया कि गांव में चोरी की यह पहली वारदात नहीं है। करीब एक महीने पहले भी गांव के अन्य किसानों सतबीर सिंह, सुरेश कुमार और प्रदीप कुमार के कुओं से भी चोरों ने इसी तरह फव्वारा नोजल चोरी किए थे।